



Abhishek Tiwari



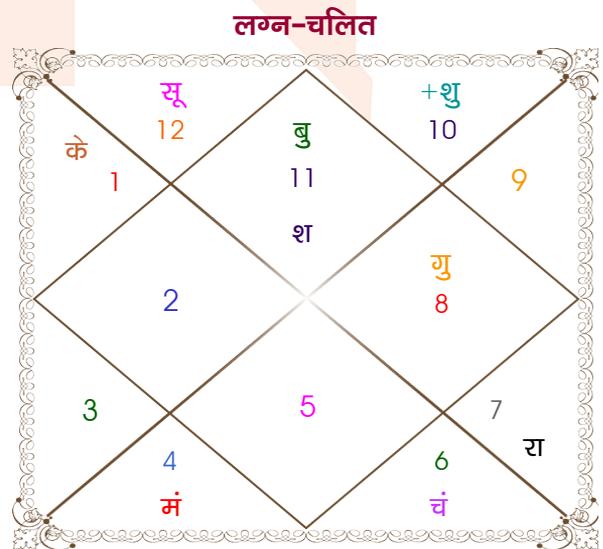
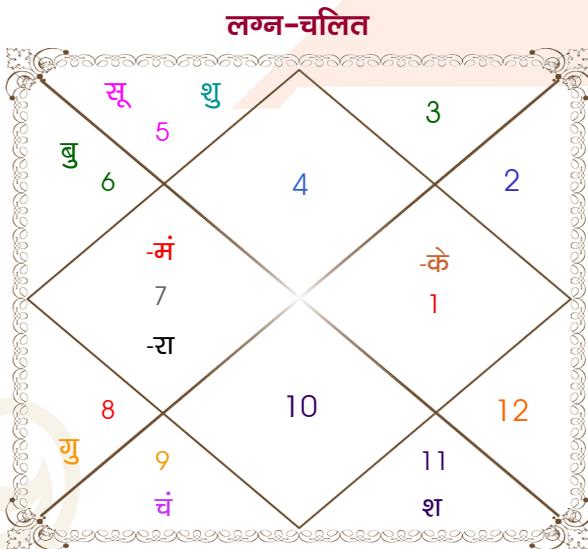
Shikha Mishra

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121215305

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 4-05/09/1995 : _____ जन्म तिथि _____ : 17-18/03/1995
 सोम-मंगलवार : _____ दिन _____ : शुक्र-शनिवार
 घंटे 04:28:00 : _____ जन्म समय _____ : 05:00:00 घंटे
 घटी 55:21:14 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 55:44:41 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Nasik : _____ स्थान _____ : Kanpur
 20:00:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 26:27:00 उत्तर
 73:52:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 80:19:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:34:32 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:08:44 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:19:30 : _____ सूर्योदय _____ : 06:17:00
 18:47:36 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:17:57
 23:47:57 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:47:35

विंशोत्तरी शुक्र 6वर्ष 3मा 1दि राहु		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 6वर्ष 1मा 19दि राहु	
		21:45:20	कर्क	लग्न	कुंभ	06:12:26		
		18:08:13	सिंह	सूर्य	मीन	03:06:42		
		22:29:51	धनु	चंद्र	कन्या	15:09:08		
		04:39:45	तुला	मंगल व	कर्क	19:39:19		
राहु	19/08/2027	14:40:51	कन्या	बुध	कुंभ	10:42:03	राहु	17/01/2011
गुरु	11/01/2030	13:22:14	वृश्चि	गुरु	वृश्चि	21:15:39	गुरु	11/06/2013
शनि	17/11/2032	22:13:40	सिंह	शुक्र	मक	23:59:43	शनि	17/04/2016
बुध	07/06/2035	28:16:45	कुंभ व	शनि	कुंभ	22:40:35	बुध	05/11/2018
केतु	24/06/2036	03:41:51	तुला व	राहु व	तुला	12:15:14	केतु	23/11/2019
शुक्र	25/06/2039	03:41:51	मेष व	केतु व	मेष	12:15:14	शुक्र	23/11/2022
सूर्य	19/05/2040	03:07:37	मक व	हर्ष	मक	05:43:42	सूर्य	18/10/2023
चन्द्र	18/11/2041	29:12:58	धनु व	नेप	मक	01:18:06	चन्द्र	18/04/2025
मंगल	06/12/2042	04:13:35	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	06:45:24	मंगल	06/05/2026



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

इड़ीपीमा ज्पूतप का वर्ग मूषक है तथा रीपीं डपीतं का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार इड़ीपीमा ज्पूतप और रीपीं डपीतं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

इड़ीपीमा ज्पूतप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा । न मंगली मंगल राहु योग ।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु इड़ीपीमा ज्पूतप कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

रीपीं डपीतं मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः । त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल रीपीं डपीतं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

इीपीमा ज्पूतप तथौीपीं डपीतं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

